

आयोजन आईआईटी के कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा

# एक अतिरिक्त प्रतिभा होने पर ही ध्यान केंद्रित करें

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने ओमप्रकाश सखलेचा, मंत्री, एमएसएमई और विज्ञान व प्रौद्योगिकी, मध्य भारत सरकार की मेजबानी की। प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन, कार्यवाहक ने अतिथियों का स्वागत किया। इस यात्रा का आयोजन सांसद विज्ञान सम्मेलन और एक्सपो 2021 की एक दृष्टि और योजना के लिए किया गया। इसे आईआईटी इंदौर द्वारा मप्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद व विजयनभारती के सहयोग से मई से चलाया जा रहा है। चर्चा के दौरान डॉ. संतोष कुमार विश्वकर्मा ने अतिथियों को एक्सपो के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। मंत्री सखलेचा और प्रोफेसर जैन ने एक्सपो के ब्रोशर का विमोचन किया और आईआईटी परिसर में पौधारोपण किया।

मध्यम स्तर के उद्योगों की समस्या पर ध्यान दें: मंत्री सखलेचा ने कहा मुझे इस बात पर खुशी है कि संस्थान के साथ मेरे सपनों का एक फलदायक विमर्श रहा है कि किस प्रकार की शैक्षणिक प्रणाली, शिक्षा का पारिस्थितिकी तंत्र बनाम उद्योग, नवाचार और रोजगार के अवसर होना चाहिए। मुझे यकीन है कि इस चर्चा के ऐसे परिणाम मिलेंगे जो लंबे समय तक याद रहेंगे।



उन्होंने कहा हमें प्रतिभा पंलायन पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए, लेकिन एक अतिरिक्त प्रतिभा होने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो हमें विश्व प्रतिभा शक्ति होने में मदद करेगा। हमारी पारंपरिक शैक्षिक प्रणाली बहुत मजबूत रही है और अन्य देशों द्वारा पसंद की गई है, हमें इसके बारे में

और बात करना चाहिए। हमारी पारंपरिक शैक्षिक प्रणाली हमारे स्टूडेंट्स में आत्मविश्वास का निर्माण करेगी। हमें मध्यम स्तर के उद्योगों की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि वे आईआईटीज जैसे संस्थानों को गुणवत्ता अनुसंधान प्रदान करने के लिए देखते हैं।

अनुसंधान केंद्रित हो शिक्षण

प्रोफेसर जैन ने विभिन्न शोध क्षेत्रों, जिसमें वर्तमान में आईआईटी इंदौर काम कर रहा है, पर जानकारी दी और महामारी के समय जो सहायता प्रदान की उसके बारे में बताया। उन्होंने कहा शिक्षा प्रणाली सीखने पर केंद्रित होना चाहिए। शिक्षण को अनुसंधान केंद्रित होना चाहिए जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा, जो बदले में पेटेंट प्रदान करेगा। शैक्षिक संस्थान राष्ट्र का भविष्य बनाते हैं, इसलिए इसे समाज के सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। उन्होंने कहा आईआईटी इंदौर औद्योगिक अनुसंधान पार्क पर काम कर रहा है जो नवाचार, ऊष्मायन, उद्यमशीलता के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने पर काम करेगा ताकि प्रयोगशाला में अनुसंधान को उचित व्यावसायीकरण के साथ बाजार में तैयार उत्पाद पर ले जाया जा सके। अतिथियों को एक विशेष विज्ञान बस भी दिखाई, जिसका उपयोग आधुनिक विज्ञान और राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में इस एक्सपो को प्रोजेक्ट व प्रचारित करने के लिए किया जाएगा। बस विभिन्न स्थानों पर जाएगी और विज्ञान के प्रति जिज्ञासा का बीज बोने के लिए स्टूडेंट्स के साथ बात करेगी।